जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 4 जून 2025

वर्ष -12, अंक-23 मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

Inside page 06

3 दशक में बदल गया इंदौर

इंदौर शहर पिछले 30 साल में बहुत बदल गया है। एक दौर में जिस शहर में सड़कों पर तांगे चलते थे अब वहां मेट्रो दौड़ती नजर आएगी। इतना ही नहीं, आने वाले दिनों में शहर में केबल कार भी चलेगी। इसके लिए सर्वे भी हो रहा है...

राइजिंग इन्दौर ■ रिपोर्टर

इंदौर ने बीते 30 साल में जितने तेज बदलाव देखे, उतने कभी नहीं हुए। इन 30 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरा, नए अस्पताल, स्कूल कॉलेज खुले और शहर की लोक परिवहन व्यवस्था में भी बदलाव हुआ। 30 साल पहले तक शहर में तांगे और टेंपो का चलन था। प्रदूषण फैलाते टेंपो शहरभर में चलते थे। इनमें सफर करने वाले लोगों की सुरक्षा के भी कोई इंतजाम नहीं थे। समय आगे बढ़ा तो करीब 25 साल पहले टेंपो और तांगे बंद हो गए और फिर नगरसेवा (मेटाडोर) का दौर चल निकला। लेकिन, वक्त की तरह कोई चीज स्थाई नहीं होती। मेटाडोर के बाद उनकी जगह सिटी बसों ने ले ली। 60 से ज्यादा रुटों पर सिटी बसें दिनभर चलती हैं, हर रोज डेढ़ लाख से ज्यादा यात्री इन बसों में सफर करते है। वहीं, अब शहर में मेट्रो की भी आमद हो गई है। कल शनिवार से शहर में मेट्रो दौड़ेगी।

तांगे का सफर

इंदौर में पहले तांगे चला करते थे। राजवाड़ा, छावनी, काछी मोहल्ला, गांधी हॉल पर तांगा स्टैंड बने हुए थे। यहां से लोग तांगे में बैठकर एक जगह से दूसरे जगह जाते थे। इनका किराया अठन्नी, एक रुपये और दो रुपये होता था। तांगे में अधिकतम छह लोग बैठ सकते थे। अब तांगों का सफर थम सा गया है।

टेंपों का सफर

इंदौर में 1975 से टेंपो चलना शुरू हुए थे। वर्ष 2000 तक शहर के प्रमुख मार्गों पर टेंपो चलते थे। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, छावनी के अलावा कृष्णपुरा ब्रिज के समीप शिवाजी मार्केट पर टेंपो स्टैंड थे। पचास पैसे, दो रुपये व तीन रुपये में टेंपो की सवारी की जा सकती थी। एक टेंपो में अधिकतम 14 यात्री बैठ सकते थे। अन्य दो यात्रियों को ड्रायवर सीट के पास बैठाया जाता था। इनकी वजह से शहर में प्रदूषण काफी बढ़ गया था। बाद में इनको बंद कर दिया गया।

सिटी बस बनी शहर की शान

उसके बाद में लोग परिवहन के लिए इंदौर के तत्कालीन कलेक्टर विवेक अग्रवाल की सूझबूझ से इंदौर में सिटी बस सेवा शुरू हुई। सरकार की जेब का रु. 1 भी लगाए बगैर एक बड़ी बस सेवा को शुरू कर शहर के नागरिकों को लोक परिवहन का एक बड़ा और सस्ता साधन उपलब्ध कराया गया। शहर के नागरिकों को शहर में ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में एयर कंडीशन बस अच्छी लगने लगी। यह बस सेवा इतनी शानदार थी कि देश के कई शहरों ने इंदौर में आकर इस सेवा के कार्यों को समझा और फिर अपने शहर में शुरू किया।

अब मेट्रो का सफर

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। इस दौरान वे प्रदेश की राजधानी भोपाल से इंदौर मेट्रो ट्रेन का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। हालांकि, मेट्रो अभी छह किलोमीटर के हिस्से में ही चलेगी। लेकिन, सालभर बाद गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक (17 किलोमीटर) मेट्रो का संचालन होगा। इंदौर में मेट्रो का रुट 31 किलोमीटर का है। अभी छह किलोमीटर में मेट्रो का अधिकतम किराया 30 रुपये है।

31 किमी का रूट पहले चरण में बनेगा

जानकारी के अनुसार मेट्रो का 31 किलोमीटर का रूप पहले चरण में बनेगा। यह एयरपोर्ट, विजय नगर, रिंग रोड, बंगाली कॉलोनी चौराहा, एमजी रोड, राजवाड़ा, बड़ा गणपति होते हुए एयरपोर्ट पर समाप्त होगा। मास्टर प्लान विशेषज्ञ जयवंत होलकर कहते हैं कि अगर, शहर महानगर बन रहा है तो फिर मेट्रो रूट का दायरा भी बढ़ाना चाहिए। महू, देवास जैसे शहरों को इससे जोड़ना चाहिए, जिससे बसाहट का फैलाव उपनगरों तक रहे।

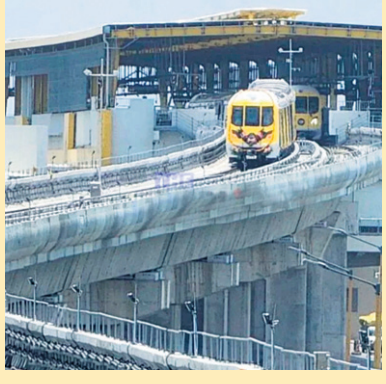

राइजिंग इंदौर अब risingindore.com और MAGZTER.com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

सर चढ़कर बोल रही है मेट्रो की दीवानगी

शहर से लेकर गांव तक के लोग जा रहे हैं मेट्रो में घूमने

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के दिन से इंदौर में मेट्रो ट्रेन का 6 किलोमीटर के एरिया में संचालन शुरू हो गया। इस ट्रेन का संचालन शुरू होने के साथ ही इसकी दीवानगी लोगों के सर चढ़कर बोलने लगी। शहर से लेकर गांव तक के लोग मेट्रो में घूमने और सवारी करने के लिए उसे स्थान पर जाने लगे जिस स्थान पर जाने से उनका कोई वास्ता ही नहीं है। किसी को केवल मेट्रो में घूमना है तो किसी को मेट्रो में अपनी फोटो उतरवाना है। ऐसे लोगों की संख्या भी काम नहीं है जिन्हें जाकर मेट्रो में रील बनाना है।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर शहर का इस समय का सबसे बड़ा मुद्दा मेट्रो रेल का संचालन शुरू होने का है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर इस मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू करवाया गया। अब यह ट्रेन 6 किलोमीटर के दायरे में सुबह से शाम तक चक्कर लगा रही है। इस ट्रेन का संचालन शुरू होने से इंदौर के लोग उत्साहित है। लोगों का यह उत्साह सर चढ़कर बोल रहा है। हर कोई चाहता है कि वह जाए और मेट्रो में घूम कर आए।

शहर में रहने वाले लोग हो या फिर गांव में रहने वाले, अच्छा तो हर किसी की केवल मेट्रो में सफर करने की है। यह दीवानगी कितनी ज्यादा है यह तो रविवार के दिन स्पष्ट हो गया। उसे दिन केवल एक दिन में 26000 लोगों ने मेट्रो में घूमने की अपनी इच्छा को पूरा किया।

नागरिकों के बीच में मेट्रो में घूमने की इच्छा सर चढकर बोल रही है। बड़ी संख्या में लोग शहर के साथ ही गांव से भी मेट्रो में घूमने की इच्छा से आ रहे हैं। मेट्रो का स्टेशन अब पिकनिक स्पॉट बन गया है। जिस दिन से इस ट्रेन का लोकार्पण हुआ है उस दिन से सुबह से लेकर शाम तक इस ट्रेन के स्टेशन पर लोगों की भीड़ बनी हुई है।

इस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा भोपाल से झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर शहर में आयोजित किए गए कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर के सारे विधायक शामिल हुए। इन नेताओं ने आम जनता के साथ ट्रेन में सफल भी किया। इसके बाद इसी दिन शाम के समय पर अचानक मुख्यमंत्री भी इस ट्रेन में आम नागरिकों के साथ सफर करने की इच्छा से इंदौर पहुंच गए। उन्होंने भाजपा के नेताओं और आम नागरिकों के साथ रेल में सफर किया।

सफाई कर्मियों को भूल गए

इस ट्रेन के शुभारंभ के पहले से ही यह घोषणा की गई थी कि इस ट्रेन का शुभारंभ अहिल्या जयंती के दिन किया जा रहा है इसलिए ट्रेन के पहले सफर में महिलाएं ही शामिल होंगी। इस ट्रेन के शुभारंभ के लिए आयोजित किए गए कार्यक्रम में भी भाजपा के द्वारा अपनी हर मंडल इकाई के माध्यम से महिलाओं को बुलाया गया। दवा तो यह भी किया गया था कि इस ट्रेन में सबसे पहले सफर करने वाली महिलाओं में इंदौर की शान कहीं जाने वाली सफाई कर्मचारी महिलाओं का समूह भी शामिल होगा। इस कार्यक्रम में कहीं भी सफाई कर्मी महिलाएं नहीं दिखी। अधिकारी और भाजपा के नेता महिला सफाई कर्मियों को इस ट्रेन में सफर करने के लिए बुलाना भूल गए।

भाजपा के नगर अध्यक्ष ने किया मुख्यमंत्री का इंटरव्यू

मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ के दिन शाम को जब मुख्यमंत्री इंदौर पहुंचे और उन्होंने मेट्रो ट्रेन में सफर किया तो उनके साथ भाजपा की नेता नगरी भी मौजूद थी। हंसी मजाक और मस्ती के बीच भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री का इंटरव्यू किया। इस इंटरव्यू की खासियत यह थी सवाल पूछने के बजाय सुमित मिश्रा भाषण देने लग गए। पूरे इंटरव्यू के हाथ में जाकर उन्होंने मुख्यमंत्री को बोलने का मौका देने की कोशिश की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप ही बोललो, हमें बोलने की क्या जरूरत है।

शुभारंभ में मंच पर भाजपा नेताओं का कब्जा

इस मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ का समारोह बहुत बेहतर तरीके से इंदौर में रखा गया था। इस समारोह को भाजपा के नेताओं ने बिगाड़ दिया। शुभारंभ समारोह के मंच पर इन नेताओं ने कब्जा कर लिया। वैसे तो मंच पर लगी कुछ कुर्सियों पर उन नेताओं के नाम लिखे थे जिन्हें की उस कुर्सी पर बैठना निश्चित किया गया था। इसके बाद भी मंत्री समर्थन भाजपा के नेता बड़ी संख्या में मंच पर पहुंचे और उन्होंने इन कुर्सियों पर कब्जा कर लिया।

मेट्रो के फर्श पर बैठ कर सफर किया तो लगेगा जुर्माना

गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुर्माना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर में शनिवार से मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू हो गया। पहले दिन सफर करने वाले यात्रियों ने खूब सेल्फी ली। रविवार को भी यात्रियों ने सफर किया। अब आने वाले समय में मेट्रो ट्रेन में सफर करने वाले नागरिकों को इस ट्रेन के लिए तय नियमों के साथ सफर करना होगा। दूसरे लोक परिवहन वाहनों में जांच नहीं होती, इस कारण यात्री अपने साथ कई बार नशे की वस्तु और हथियार तक ले जाते हैं। सिटी बस में चाकू लहराते हुए भी दो-तीन मर्तबा बदमाश नजर आए, लेकिन मेट्रो ट्रेन में कई तरह के क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं। यदि यात्री उन्हें करते पाए गए तो उन्हें जुर्माना भी भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में सफर या तो सीट पर बैठकर करना होगा या खड़े रहकर। यदि यात्री मेट्रो ट्रेन की फर्श पर बैठकर सफर करते पाए गए तो 200 रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुर्माना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। कोच में विज्ञापन के लिए स्टीकर चिपकाने पर भी जुर्माना भरना होगा।

सीलबंद शराब की दो बोतल ले जा सकते हैं, पी तो जुर्माना

मेट्रो ट्रेन में यात्री खरीदी हुई शराब की दो सीलबंद बोतल ले जा सकते हैं, लेकिन ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा कि शराब पी है। इसके लिए भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यात्री चाकू, नुकीली वस्तु लेकर सफर नहीं कर सकते, लेकिन सिख समाज के लोग कृपाण रखकर सफर कर सकते हैं, लेकिन उसकी लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यात्री पालतू जानवरों को भी मेट्रो में लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। मेट्रो ट्रेन में प्रोफेशनल कैमरे से फोटोग्राफी बगैर अनुमति के नहीं की जा सकेगी।

आईडीए का कमाल...
2 साल में बदल गए हालात

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा शहर के पर्यावरण के सुधार के कार्य में बेहतर परिणाम प्रस्तुत किया गया है। प्राधिकरण के द्वारा वर्ष 2023 के मानसून में योजना क्रमांक 78 में स्थित सिटी फॉरेस्ट में मियाबांकी पद्धति से पौधे लगाए गए थे। हर साल ही मानसून के मौसम में हर सरकारी विभाग के द्वारा करोड़ों रुपए की राशि खर्च करते हुए पौधारोपण किया जाता है।

कितने पौधे लगाए जाते हैं इसका कोई मतलब उस समय तक नहीं है जब तक की इन पौधों की व्यवस्थित देखरेख की व्यवस्था नहीं कर दी जाएं। प्राधिकरण के द्वारा 2 साल पहले लगाए गए पौधे अब आकार ले गए हैं। जिस समय पौधे लगाए गए थे उसे समय पर इस जमीन की क्या हालत थी वह चित्र में नजर आ रही है। इस चित्र में पौधे लगाते हुए युवा और प्राधिकरण के अधिकारी भी दिख रहे हैं। दूसरे चित्र में 2 साल के अंदर इस क्षेत्र में हालत में कितना क्या और कैसा परिवर्तन आ गया है वह भी नजर आ रहा है। किसी समय पर इस शहर को मेघदूत उपवन और रीजनल पार्क की सौगात देने वाले प्राधिकरण के कार्यों के कारण अब दूसरे क्षेत्र में भी हरियाली नजर आने लगी है।

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा इस वर्ष मानसून के मौसम में 2.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसमें खास तौर पर मेट्रो कंपनी के द्वारा गुजार दिए गए रोड डिवाइडर को फिर से तैयार कर वहां पर पौधे लगाए जाएंगे।

इस साल 2.5 लाख पौधे लगाएगा प्राधिकरण

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इस वर्ष भी मानसून के मौसम में पौधारोपण करने के लिए प्राधिकरण के द्वारा प्राथमिक तौर पर तैयारी कर ली गई है। शहर के विकास की यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए मेट्रो रेल का संचालन शुरू हो गया है। इस मेट्रो रेल के ट्रैक को तैयार करने के लिए प्राधिकरण के द्वारा एम आर 10 पर विकसित किए गए रोड डिवाइडर को तोड़ दिया गया है। इसके साथ ही इस डिवाइडर में लगाए गए पौधे भी उजड़ गए हैं। अब इस वर्ष प्राधिकरण के द्वारा सबसे ज्यादा प्राथमिकता में आर 10 को फिर से हरा भरा बनाने के कार्य को दी जा रही है। इस स्थान पर फिर से रोड डिवाइडर तो तैयार हो गया है लेकिन उसे हरा भरा बनाने का काम इस वर्ष प्राधिकरण की टीम के द्वारा किया जाएगा।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार बताते हैं कि इसके साथ ही योजना क्रमांक 78 के सिटी फॉरेस्ट में भी बड़ी संख्या में पौधे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण के द्वारा विकसित की जा रही टाउन प्लानिंग योजनाओं में भी पौधारोपण किया जाएगा।

पेज 1 से जारी...

बीआरटीएस बना था पहचान

लोक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए इंदौर में दस साल पहले बीआरटीएस कॉरीडोर शुरू हुआ। यह देश का पहला पायलेट प्रोजेक्ट था, जो पूरे देश में मिसाल बना। प्रतिदिन 11 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस पर सत्तर हजार से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। अब सरकार ने खुद बीआरटीएस तोड़ने का फैसला लिया है। शहर के चौराहों पर नगर निगम ब्रिज बनाएगा। जिस कारण

बीआरटीएस कॉरीडोर को अब उपयोगी नहीं माना जा रहा है।बीआरटीएस का निर्माण वर्ष 2010 में शुरू हुआ था। उसके निर्माण में चार साल का समय लगा। 300 करोड़ रुपये इस प्रोजेक्ट पर खर्च किए गए, लेकिन अब उसे तोड़ा जा रहा है। 800 मीटर हिस्से की रैलिंग हटाई भी जा चुकी है।

भविष्य में दिखेगी केबल कार

इंदौर के घने क्षेत्रों में आने वाले वर्षों में केबल कार का संचालन भी होगा। इसके लिए सर्वे भी हो रहा है। राजवाड़ा, सराफा, एमजी रोड

जैसे क्षेत्रों में केबल कार के जरिए लोग यात्रा कर सकेंगे। इंदौर विकास प्राधिकरण ने इस प्रोजेक्ट को अपने हाथ में लिया है।

लोगों को जाम से नहीं मिला छुटकारा

शहर में ट्रैफिक को लेकर नए प्रयोग किए गए, लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। मार्ग के दोनों तरफ दुकानदार अस्थाई अतिक्रमण कर लेते हैं। इससे शहर में सुबह और शाम ट्रैफिक जाम रहता है। वाहनों की गति धीमी हो जाती है। शहर में अब ई रिक्शा भी खूब चलने लगे हैं। उनकी वजह से भी ट्रैफिक जाम हो रहा है। रैलियों, धार्मिक आयोजनों की अनुमति भी सड़कों पर दे दी जाती है। इससे भी शहरवासियों को परेशान होना पड़ता है। चौराहों पर ट्रैफिक इंजीनियरिंग नहीं होती है।

संपादकीय...

मेट्रो ट्रेन के आगे के सफर में है मुश्किलें

इंदौर में मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होना इस शहर के प्रगति की राह पर आगे बढ़ने में मददगार साबित होगा। अभी जिस स्थान पर यह ट्रेन चलाई जा रही है वहां पर आने-जाने वाले लोग नहीं है। आने वाले समय में जिस स्थान पर मेट्रो रेल का संचालन करने की योजना है वहां पर आने-जाने वाले लोग भी हैं और इन लोगों को ऐसी सुविधा की आवश्यकता भी है। अभी तो इस ट्रेन का विस्तार रेडिसन होटल चौराहा तक ही किया जाना है, लेकिन उसके बाद में इस ट्रेन के आगे के सफर को लेकर मुश्किल के हालात हैं। इस ट्रेन को कौन से स्थान से अंडरग्राउंड करना है उसे लेकर नेताओं के बीच मतभेद हैं। शहर के मध्य क्षेत्र से यह ट्रेन किस तरह गुजरे इसे लेकर अब तक कोई योजना तय नहीं हो पाई हैं। अब यह जरूरी है कि इस ट्रेन के जितने मामले नेताओं के बीच उलझे हुए हैं उन सभी को सुलझा लिया जाना चाहिए। इस ट्रेन के आगे के सफर को लेकर सारी स्थिति बेहतर किए जाने की आवश्यकता है।

■ गौरव गुप्ता

शराब पीकर ड्राइविंग अपराध किंतु आरोपी का ब्रेथ एनालाइजर या ब्लड टेस्ट होना अनिवार्य : हाई कोर्ट

केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि मोटर व्हीकल (एमवी) एक्ट की धारा 185 (A) के तहत शराब पीकर ड्राइविंग करने के आरोप के मामले में, आरोपी को ब्रेथ एनालाइजर या किसी अन्य उपकरण से परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रयोगशाला परीक्षण किया जाना चाहिए और अपराध के लिए आरोपी के प्रति 100 मिलीलीटर रक्त में शराब की मात्रा 30 मिलीग्राम से अधिक होनी चाहिए। अभियोजन का मामला यह था कि अभियुक्त ने मानवीय जीवन को खतरे में डालते हुए लापरवाही से कार चलाई। इसके साथ ही उसने दूसरी कार को टक्कर मारी, जिससे उसमें बैठे यात्रियों को चोट आई। इसके बाद, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे मेडिकल जांच लिए भेजा गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार कोर्ट ने कहा कि, डॉक्टर ने कहा कि याचिकाकर्ता के मुंह से शराब से बदबू आ रही थी। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर, आरोपी के खिलाफ मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 185 के तहत मुकदमा चलाया गया। अभियुक्त की चुनौती यह थी कि धारा 185 के तहत तभी मुकदमा चलाया जा सकता है, जब ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से शराब की मात्रा का पता लगाया जाएगा।

मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 185 का मामला-

ड्राइविंग करते समय, या वाहन चलाने का प्रयास करते समय; (A) आरोपी के प्रति 100 मिलीलीटर रक्त में शराब की मात्रा 30 मिलीग्राम से अधिक होनी चाहिए और इसका परीक्षण ब्लड टेस्ट द्वारा किया जाना चाहिए, (या प्रयोगशाला परीक्षण सहित किसी अन्य परीक्षण में)। (B) ड्रग लेने से वह शारीरिक रूप और मानसिक रूप से इस तरह असक्षम हो जाता है कि वाहन पर उचित नियंत्रण रखने में असमर्थ हो जाता है। इस तरह के पहले अपराध के लिए अपराधी को छह महीने तक की जेल हो सकती है या दस हजार रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकता है। यही अपराध वापस यानी दूसरी बार करने पर दो साल तक की हो सकती है, या पंद्रह हजार रुपये जुर्माना या दोनों के साथ हो सकता है।

स्पष्टीकरण - इस धारा के प्रयोजनों के लिए ड्रग का मतलब है कि शराब के अलावा कोई भी नशीले पदार्थ, प्राकृतिक या सिंथेटिक या किसी भी प्राकृतिक सामग्री या किसी भी नमक, या ऐसे पदार्थ या सामग्री की तैयारी, जिसे केंद्र सरकार इस अधिनियम के तहत अधिसूचित किया जा सकता है। इस अधिनियम में मादक पदार्थ और साइकोट्रॉपिक पदार्थ शामिल है जैसा कि नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 2 (1985 का 61) के खंड (xiv) और खंड (xxiii) में परिभाषित किया गया है।]

कोर्ट ने सगीमॉन बनाम केरल राज्य (2014 (3) KLT 782) मामले में केरल हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर भरोसा जताते हुए कोर्ट ने कहा कि, साल 2019 में अधिनियम में हुए संशोधन से पहले, ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से रक्त में अल्कोहल की मात्रा निर्धारित करना अनिवार्य था। संशोधन के बाद, कानून ब्रेथ एनालाइजर या किसी अन्य प्रयोगशाला परीक्षण का संचालन करने की अनुमति देता है। इस तात्कालिक मामले में, एमवी एक्ट की धारा 185 के तहत कार्यवाई किसी भी डॉक्टर की राय के आधार पर बिना किसी ब्रेथ एनालाइजर/प्रयोगशाला परीक्षणों के रक्त में अल्कोहल का पता लगाए बिना नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने कार्यवाही को समाप्त करते हुए कहा कि एमवी अधिनियम की धारा 185 के संबंध में, निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना जरूरी- दोनों निर्णयों को, अधिनियम की धारा 185 (A) के संशोधन से पहले की व्याख्या पर प्रस्तुत किया गया था, जिसमें ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से रक्त में शराब की मात्रा का पता लगाना अनिवार्य था। संशोधन के बाद, रक्त में अल्कोहल की मात्रा निर्धारित करने के लिए प्रयोगशाला परीक्षण सहित अन्य परीक्षणों का सहारा लिया जा सकता है। लेकिन, जहां तक तात्कालिक मामले का सवाल है, तो ऐसा कोई परीक्षण नहीं हुआ है। इसलिए, याचिकाकर्ता पर मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा 185 के तहत अपराध के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

आजकल सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाएं एक आम बात हो गई है। इन दुर्घटनाओं के पीछे कई कारण होते हैं, जिनमें से एक सबसे बड़ा कारण है शराब पीकर या अन्य किसी नशे की हालत में वाहन चलाना। यह एक ऐसा अपराध है जो न केवल खुद उस व्यक्ति के जीवन को खतरे में डालता है बल्कि दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालता है। दिन-प्रतिदिन ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिसके कारण सड़कों पर हादसे लगातार बढ़ रहे है

मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 क्या है -

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 शराब पीकर नशे की हालत में वाहन चलाने (Drink & Drive) के अपराध के बारे में बताती है। यह धारा उन लोगों पर लागू होती है जो शराब के नशे में या किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन (Intake) कर वाहन (Vehicle) चलाते है। नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है, बल्कि अन्य लोगों के जीवन के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।

सरल भाषा में कहे, तो इस कानून के तहत अपराध तब माना जाता है जब कोई व्यक्ति शराब पी रहा होता है, और उसके बाद वो अपनी गाड़ी या किसी अन्य वाहन को चलाता है। जिसके बाद पुलिस द्वारा रोके जाने पर उसके शरीर में शराब की मात्रा कानूनी सीमा (जैसे, 100 मिलीग्राम रक्त में 30 मिलीग्राम से अधिक शराब (Alcohol) की मात्रा पाई जाती है। यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य नशीली चीजों के नशे में भी वाहन चलाते पाया जाता है, जैसे कि ड्रग्स तो भी उस पर धारा 185 लागू कर कार्यवाही की जा सकती है।

इस धारा के उल्लंघन (Violation) को साबित करने के लिए पुलिस और कानून द्वारा कई प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं।

पुलिस द्वारा उसका ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया जाता है। यह एक छोटी सी मशीन होती है जिसमें पुलिस द्वारा किसी व्यक्ति को फूंक मारने के लिए कहा जाता है। जिसके बाद यह मशीन फूंक मारने के कारण गई सांस के द्वारा खून में अल्कोहल की मात्रा को मापता है।

अगर ब्रेथ एनालाइजर में अल्कोहल की मात्रा कानूनी सीमा (Legal Limits) से अधिक पाई जाती है (जैसे 30mg/100ml या उससे अधिक), तो यह साबित हो जाता है कि व्यक्ति ने शराब पी रखी है।

अगर ब्रेथ एनालाइज़र टेस्ट के बाद भी पुलिस को किसी प्रकार का शक रहता है तो उस व्यक्ति को मेडिकल जांच (Medical Tests) के लिए अस्पताल भेजा जा सकता है। इसमें डॉक्टर व्यक्ति के खून या मूत्र (Blood or Toilet) का सैंपल चेक करके यह बताते है कि वह व्यक्ति नशे में है या नहीं और है तो उसने कितनी शराब पी है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत नशे में बाइक, कार या अन्य वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है, और इसके उल्लंघन पर कड़े दंड का प्रावधान है। अगर कोई व्यक्ति पहली बार इस धारा का उल्लंघन करता है या फिर इसे दोहराता है, तो उसके लिए अलग-अलग सजा तय की गई है।

पहली बार अपराध- यदि कोई व्यक्ति पहली बार इस धारा का उल्लंघन करता है, तो उसे 6 महीने तक की जेल हो सकती है। इसके अलावा उस पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना (Fine) भी लगाया जा सकता है। न्यायालय परिस्थितियों को देखते हुए दोषी व्यक्ति (Guilty Person) को दोनों सजा भी दे सकते है, यानी दोषी व्यक्ति को जेल भी हो सकती है और जुर्माना भी देना पड़ सकता है।

दूसरी बार अपराध करने पर- यदि कोई व्यक्ति दूसरी बार या बार-बार इस अपराध को करता है, तो उसकी सजा और भी सख्त हो जाती है। ऐसे मामलों में दोषी व्यक्ति को 2 साल तक की जेल हो सकती है और 15,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत शराब के नशे में गाड़ी चलाना जमानती (Bailable) अपराध होता है। अगर कोई व्यक्ति पहली बार इस अपराध को करता है और कोई गंभीर दुर्घटना नहीं हुई है, तो उसे पुलिस स्टेशन से ही जमानत (Bail) मिल जाती है। लेकिन यदि मामला गंभीर हो जैसे कि दुर्घटना (Accident) में जान-माल का नुकसान हुआ हो तो जमानत मिलने की प्रक्रिया थोड़ी मुश्किल हो सकती है और इसके लिए अदालत का सहारा लेना पड़ सकता है।

जीरा, सौंफ और अजवाइन चूर्ण के हैं बहुत फायदे

इस चूर्ण को कुछ खास चीजों के साथ भूलकर भी नहीं खाएं ये 5 चीजें, वरना हो सकता है नुकसान

आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. आरती मेहरा ने बताया कि जीरा, सौंफ और अजवाइन चूर्ण सेहत के लिए वरदान होते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके साथ कुछ खास चीजें खाने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

आजकल लोग अपनी सेहत का खास ध्यान रखते हैं और जीरा, सौंफ और अजवाइन जैसे घरेलू मसालों का इस्तेमाल रोजाना करते हैं। ये मसाले सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाते हैं बल्कि पाचन को भी सही रखते हैं। आइए जानते हैं उन 5 चीजों के बारे में जिन्हें जीरा, सौंफ और अजवाइन चूर्ण के साथ कभी नहीं खाना चाहिए।

1. दूध और दूध से बनी चीजें

जीरा, सौंफ या अजवाइन चूर्ण के साथ दूध या दही जैसी चीजें मिलाकर खाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दूध में मौजूद प्रोटीन और इन मसालों के साथ मिलकर पाचन में दिक्कत हो सकती है। इससे पेट में भारीपन, एसिडिटी या गैस बनने की समस्या हो सकती है। इसलिए अगर आप इन मसालों का सेवन कर रहे हैं तो दूध या उससे बनी चीजें अलग समय पर लें।

2. चीनी और शक्कर वाली चीजें

अगर आप जीरा, सौंफ या अजवाइन के चूर्ण को मीठे के साथ खाते हैं तो यह आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह गलत कॉम्बिनेशन है। इन मसालों में मौजूद तत्व और चीनी की मिलावट से ब्लड शुगर स्तर पर नियंत्रण मुश्किल हो सकता है। इसलिए इनका सेवन अलग-अलग समय पर करना बेहतर रहता है।

3. अधिक तली-भुनी-मसालेदार चीजें

जीरा, सौंफ और अजवाइन अपने आप में पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन अगर इन्हें तली-भुनी या बहुत मसालेदार चीजों के साथ खाया जाए तो यह पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे पेट में जलन, एसिडिटी और अपच की समस्या हो सकती हैं।

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

4. अधिक नमक वाली चीजें

अगर आप जीरा, सौंफ और अजवाइन चूर्ण के साथ नमक ज्यादा मात्रा में लेते हैं तो यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। अधिक नमक से हाई ब्लड प्रेशर और किडनी की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही यह मसालों के नेचुरल फायदे को कम कर देता है। इसलिए इन मसालों के सेवन के दौरान नमक की मात्रा नियंत्रित रखना जरूरी है।

5. कुछ दवाइयों के साथ

अगर आप कोई दवा ले रहे हैं जैसे- पाचन या ब्लड प्रेशर की दवाइयां तो जीरा, सौंफ और अजवाइन चूर्ण का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। ये मसाले दवाइयों के असर को बदल सकते हैं। इसलिए दवा के साथ इन मसालों का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। जीरा, अजवाइन, सौंफ के फायदे और एक साथ लेने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, वजन कम करने में मदद मिलती है, और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जीरा और सौंफ पाचन में मदद करते हैं, अजवाइन गैस और अपच को कम करता है, और दालचीनी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

फायदे-

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है- जीरा, अजवाइन, और सौंफ तीनों ही पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। जीरा डाइजेस्टिव एंजाइम को एक्टिव करता है, अजवाइन गैस और अपच से राहत देता है, और सौंफ में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पेट की सूजन को कम करते हैं।

वजन कम करने में मदद करता है- दालचीनी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन कम करने में मदद करती है। सौंफ भूख को कम करके वजन घटाने में सहायता करती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है-
दालचीनी और जीरा दोनों ही इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

शरीर को डिटॉक्स करता है-
जीरा, सौंफ, अजवाइन, और मेथी का पानी शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है।

ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है-
दालचीनी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर-
जीरा, सौंफ और दालचीनी तीनों ही एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं।

सेवन का तरीका-
आप इन चारों मसालों को एक साथ पानी में उबालकर या भिगोकर पी सकते हैं।

पाउडर-
आप इन मसालों को पीसकर पाउडर बना सकते हैं और इसे गुनगुने पानी के साथ ले सकते हैं।

दाल-सब्जी में-

जीरा, अजवाइन और सौंफ को दाल-सब्जी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

माउथ फ्रेशनर के रूप में-
इन मसालों को मिलाकर आप माउथ फ्रेशनर के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मिस वर्ल्ड कॉन्टेस्ट में भारत हारा...

2025 में 31 मई 2025 को हैदराबाद के HITEX कन्वेन्शन सेंटर में 'मिस वर्ल्ड 2025' आयोजित हुआ। थाईलैंड की ओपाल सुचाता चुआंगश्री ने 'मिस वर्ल्ड 2025' का क्राउन अपने नाम किया। बता दें कि इसमें दुनियाभर से आईं कंटेस्टेंट्स ने पार्टिसिपेट किया था। टॉप 8 से भारत की नंदिनी गुप्ता बाहर हो गई थीं।

सुचाता चुआंगश्री का जन्म 20 सितंबर 2003 में थाईलैंड में हुआ था। ये थाई मॉडल और ब्यूटी पेजेंट टाइटलहोल्डर भी रह चुकी हैं। मिस वर्ल्ड बनने वाली ये पहली थाई महिला हैं, जिन्होंने अपने देश के लिए ये क्राउन जीता। इससे पहले ये 'मिस यूनिवर्स थाईलैंड 2024' भी रह चुकी हैं।

साथ ही सुचाता चुआंगश्री ने 'मिस यूनिवर्स 2024' में भी पार्टिसिपेट किया था। थाईलैंड को रिप्रिजेंट किया था। ये थर्ड रनरअप रही थीं। इनका परिवार प्राइवेट बिजनेस चलाता है। पॉलिटिक्स और इंटरनेशनल रिलेशन्स में इन्होंने डिग्री हासिल की हुई है।

मिस वर्ल्ड 2025' का क्राउन पहने सुचाता स्टेज पर इमोशनल होती नजर आईं। सिल्वर बॉडी फिटेड गाउन में ये बेहद खूबसूरत लग रही थीं। सुचाता ने सभी का धन्यवाद करते हुए हाथ जोड़े। आंखों में आंसू लिए, वो इस मोमेंट को महसूस करती दिखीं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है।

भारत की नंदिनी गुप्ता हुईं टॉप 8 से बाहर

21 साल की नंदिनी गुप्ता भी इसका हिस्सा रहीं। ये कोटा, राजस्थान की रहने वाली हैं। नंदिनी भले ही छोटे शहर से हों, लेकिन इनके सपने हमेशा से बड़े रहे हैं। नंदिनी ने साल 2023 में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीता था। इन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की है और पब्लिक स्पीकिंग में महारथ हासिल है। कई लीडिंग फैशन डिजाइनर्स के लिए ये रैंप वॉक कर चुकी हैं। सिर्फ ग्लैमर की ही दुनिया में नहीं, बल्कि सोशल मुद्दों को लेकर भी एक्टिव रहती हैं।

कैंसर को लेकर जागरूकता से लेकर महिलाओं के सम्मान और उनके राइट्स के लिए लड़ती नजर आती हैं। कई एन्वायरमेंटल प्रोडेक्ट्स पर भी ये काम कर रही हैं। मिस वर्ल्ड 2025 के स्टेज पर नंदिनी ने इंडियन रूट्स, परंपरा और कल्चर को बखूबी दर्शाया। पैशन के साथ ग्लोबल प्लेटफॉर्म तक वो इंडिया को लेकर पहुंचीं, यही बड़ी बात है। बॉलीवुड के कुछ सेलेब्स इस फिनाले का हिस्सा रहे। सोनू सूद, जैकलीन फर्नांडिस और ईशान खट्टर, 'मिस वर्ल्ड 2025' फिनाले में शामिल होने के लिए हैदराबाद पहुंचे थे।

अब एआई बताएगा झूठ या सच...

मानव शरीर और चेहरे पर होने वाली हरकतों का अध्ययन करके देश में एक ऐसा एआई (कृत्रिम मेधा) टूल विकसित कर लिया गया है, जो सिर्फ 90 सेकंड में बता सकता है कि अमुक व्यक्ति झूठ बोल रहा है या सच!

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

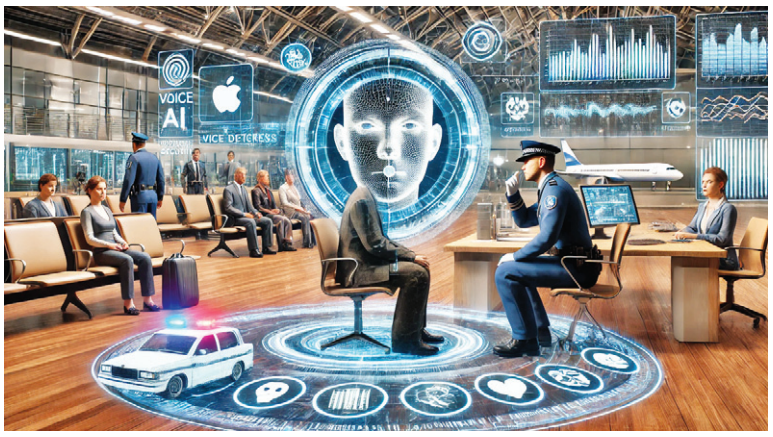

हसरत जयपुरी के लिखे लोकप्रिय गाने 'लाख छुपाओ छुप न सकेगा, राज हो कितना गहरा, दिल की बात बता देता है असली नकली चेहरा' वाली ऋषिकेश मुखर्जी निर्देशित फिल्म 'असली नकली' साल 1962 में जब रिलीज हुई होगी, तो किसे ही पता होगा कि इस गाने की ये बात एक दिन सच भी साबित हो जाएगी! जी हां, करीब ढाई हजार साल पहले भरत मुनि के लिखे नाट्य शास्त्र में बताए गए अभिनय के नौ रसों- हास्य, श्रृंगार, करुण, शांत, वीर, वीभत्स, रौद्र, भयानक और अद्भुत, को चेहरे पर लाने के लिए मानव शरीर और चेहरे पर होने वाली हरकतों का अध्ययन करके देश में एक ऐसा एआई (कृत्रिम मेधा) टूल विकसित कर लिया गया है, जो सिर्फ 90 सेकंड में बता सकता है कि अमुक व्यक्ति झूठ बोल रहा है या सच!

पुणे में परीक्षण शुरू

सामरिक रूप से बेहद संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले महाराष्ट्र के पुणे शहर में निहिलेंट टेक्नोलॉजीज की लैब में बीते कई साल से चल रहा इस एआई टूल का प्रयोग सफल रहा है। पुणे के ही जहांगीर अस्पताल में इसका मानव परीक्षण शुरू हो चुका है और इसके दैनिक जीवन में उपयोग इतने व्यापक हैं कि ये आने वाले समय में तमाम परीक्षणों में लगने वाले समय, श्रम और धन की भारी बचत कर सकते हैं। इस एआई टूल का नाम है, एमोस्केप यानी इमोशनल लैंडस्केप। किसी भी समय मनुष्य के चेहरे की मांसपेशियां और उससे अंग, मनुष्य के मस्तिष्क में घुमड़ रही भावनाओं के अनुरूप ही हरकतें करती हैं। लेकिन, क्या हो कि अगर मनुष्य सोच कुछ रहा हो और चेहरे पर दिखा कुछ रहा हो तब? तब, एमोस्केप इसे तुरंत पकड़ लेगा।

शाहबाज का झूठ पकडा

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों पर जो हमले किए, और उसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश की जनता के सामने जो कथित 'विजयी भाषण' दिया, उसकी तहकीकात भी इस एआई टूल एमोस्केप ने की है। इस बारे में बनी गोपनीय रिपोर्ट कहती है, ÷ये भाषण देते समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री खुद पर काबू बनाए रखने की कोशिश में हैं। वह कह कुछ भी रहे हों लेकिन भीतर से वह डरे हुए थे और ये वास्तविक था। उनके चेहरे पर दिख रही शांति केवल दिखावा है। उनके दिमाग में बढ़ता तनाव उनकी शख्सीयत में पड़ी दरारें दिखाता है। भाषण देते समय शाहबाज भारी आंतरिक और भू-राजनीतिक दबाव में रहे और उन्हें एक ऐसे कथन को बनाए रखने के लिए मजबूर किया गया जिस पर वह खुद ही विश्वास नहीं करते।

2000 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

अवैध प्रवासियों को त्रिपुरा, मेघालय और असम में मौजूद भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से वापस भेजा जा रहा है। गुजरात सबसे पहले अवैध प्रवासियों को वापस भेजने वाले राज्यों में से एक था।

7 मई को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से अब 2,000 से ज़्यादा अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजा जा चुका है। इन सभी को देश के अलग-अलग इकट्ठा करके बांग्लादेश की सीमा से जुड़े राज्यों से वापस भेजा जा रहा है। इस कार्रवाई के डर से लगभग इतनी ही संख्या में बांग्लादेशी अपनी मर्जी से वापस जाने के लिए सीमा पर पहुंचे हैं। रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन अवैध प्रवासियों को त्रिपुरा, मेघालय और असम में मौजूद भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से वापस भेजा जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि गुजरात सबसे पहले लोगों को वापस भेजने वालों में से एक था। जिन लोगों को 'वापस भेजा' गया है, उनमें से लगभग आधे गुजरात से हैं। दिल्ली और हरियाणा ने भी बड़ी संख्या में अप्रवासियों को वापस भेजा है। अन्य असम, महाराष्ट्र और राजस्थान से हैं।

एक सीनियर सरकारी सूत्र ने कहा, यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। कई राज्य ऐसे अवैध अप्रवासियों को उनके डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद पकड़ रहे हैं। अप्रैल में पहलगाम हमलों के बाद इस दिशा में एक साझा प्रयास शुरू हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से इसमें तेज़ी आई है। गुजरात सबसे पहले आगे बढ़ा। उसके बाद दिल्ली और हरियाणा का नंबर आया। जल्द ही अन्य राज्य यह काम शुरू कर देंगे। इसे लेकर गृह मंत्रालय की ओर से निर्देश साफ हैं, जिसमें राज्य भी सहयोग कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि यह अभियान सही तरीके से चल रहा है क्योंकि इसमें बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। एक अन्य सुरक्षा प्रतिष्ठान अधिकारी ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि पकड़े गए ज़्यादातर लोग वापस भेजने का विरोध नहीं कर रहे हैं। दशकों पहले भारत आए लोगों को छोड़कर, ज़्यादातर वापस जाने को तैयार हैं। एक बार पकड़े जाने और सीमा पर ले जाए जाने के बाद, वे बांग्लादेश में अपने रिश्तेदारों को फोन करते हैं। वे उन्हें लेने आ जाते हैं। ज़्यादातर लोग यह भी जानते हैं कि पकड़े जाने के बाद उन्हें डिटेंशन सेंटर या जेलों में रखा जाएगा। इनमें भी ज़्यादातर ग़रीब मज़दूर हैं, जिनके पास कानूनी लड़ाई लड़ने का साधन नहीं है। ऐसे में वे अपने परिवारों के पास वापस जाना पसंद करते हैं।

सूत्रों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार को इससे तब फर्क पड़ेगा जब यह संख्या बढ़कर 10,000 या 20,000 प्रति सप्ताह हो जाएगी। एक अधिकारी ने कहा कि यह सिर्फ एक अस्थायी समाधान है। बहुत छोटे पैमाने पर लेकिन इस तरह की पहल पहले भी की गई है।

इस सप्ताह आपके सितारे
4 जून 2025 से 10 जून 2025

किसी को मिलेगी उन्नति, तो किसी का रुका पैसा मिलेगा

मेष - शारिरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। संतान पक्ष का सहयोग भी उत्तम रहेगा। शत्रु खड़े होंगे पर वे कुछ बिगाड़ नहीं पायेंगे। कार्य क्षेत्र में उन्नति संभव है। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार इस सप्ताह मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों में सावधानी रखें। वाहन सुख अच्छा है।

वृषभ - इस सप्ताह कारोबार में कुछ न्यूनता दिखाई देगी। किसी को उधार देने में नुकसान हो सकता है। वाहन में टूट-फूट संभव है। जीवन साथी का व्यवहार कष्ट दे सकता है। प्रेम संबंध ठीक-ठीक रहेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें अन्यथा कष्ट होगा।

मिथुन - इस सप्ताह जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार उत्तम रहेगा। प्रेम संबंधों में धनात्मकता रहेगी। शत्रु पक्ष पीड़ित नहीं कर सकेगा। कोई बहुप्रतीक्षित कार्य होगा। संतानों का सहयोग उत्तम रहेगा। वाहन सुख न्यून रहेगा। भूमि-भवन संबंधी कार्य में रुकावट आएगी। आवक अच्छी होगी कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी।

4. **कर्क -** संतान पक्ष इस सप्ताह कष्ट देगा। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल नहीं। कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम फलदायी है। किसी विवाद का हल निकलेगा। कोई संक्षिप्त यात्रा भी संभव है।

सिंह - इस सप्ताह कारोबार अच्छा चलेगा। आय भी अच्छी होगी किन्तु व्यय भी अधिक होंगे। जीवन साथी का शारीरिक स्वास्थ्य और व्यवहार मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों में सावधानी रखें। वाहन सुख रहेगा। भूमि संबंधी कोई कार्य होगा। यात्रा होगी।

कन्या - यह सप्ताह आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल है, सावधानी रखें। वाहन भी सावधानी से चलावें। जीवन साथी का स्वास्थ्य और सहयोग उत्तम रहेगा। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। संतान पक्ष पीड़ित करेगा।

तुला - इस सप्ताह संतान संबंधी कोई कार्य होने से काफी संतुष्टि मिलेगी। अनायास रुका हुआ कुछ पैसा भी मिल सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य कुछ बिगड़ सकता है। प्रेम संबंधों के प्रति सावधानी रखें। स्वयं का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वाहन सुख उत्तम। कारोबार अनुकूल।

वृश्चिक - शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह प्रतिकूल है। किसी कार्य के न होने से कष्ट होगा। वाहन में टूट फूट हो सकती है। परिजनों का व्यवहार मध्यम रहेगा। संतान पक्ष पीड़ित करेगा। बेवजह के विवादों से बचें। जीवन साथी का सहयोग मध्यम रहेगा। कोई उपलब्धि संभव है।

धनु - इस सप्ताह कारोबार में तेजी आएगी। किसी के सहयोग से कोई वांछित कार्य होगा। धनलाभ होगा। संतान पक्ष कष्ट देगा। वाहन सुख उत्तम है। परिजनों का व्यवहार व सहयोग उत्तम रहेगा। शत्रु सिर उठाएंगे किन्तु हावी नहीं हो सकेंगे। कोई शुभ कार्य भी घर में होगा।

मकर - किसी कार्य के न हो पाने से खिन्नता रहेगी किन्तु शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवन साथी का व्यवहार सामान्य रहेगा। प्रेम संबंध संतोषजनक रहेंगे। आय अच्छी होगी। बेवजह अधिक व्यय करने से बचें। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। कार्य क्षेत्र में संतोष रहेगा।

कुंभ - इस सप्ताह आपके जीवन साथी का व्यवहार एवं स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। प्रेम संबंध खूब फले फूलेंगे। वाहन अवश्य सावधानी से चलावें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान पक्ष कुछ कष्ट देगा। मित्रों का सहयोग अच्छा रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

मीन - इस सप्ताह बेवजह के विवादों से बचें। कोर्ट कचहरी में भी गवाही आदि देने से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अमूमन अच्छा रहेगा। किसी व्यक्ति के सहयोग से कोई कार्य अवश्य बनेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। आवक अच्छी होगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। शत्रु परास्त होंगे।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ **सूर्य** - सूर्य मेष ■ **चंद्र** -वृश्चिक से मकर ■ **मंगल** - कर्क ■ **बुध**-मीन ■ **गुरु** - वृषभ ■ **शुक्र** - मीन ■ **शनि** - मीन ■ **राहु**- मीन ■ **केतु**-कन्या

मूल्य और आदर्श की छांव में एक झपकी महत्वपूर्ण होती है....

बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में आप

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन ढुहष्ठढु को बड़ा झटका लगा है। क्कयानी आम आदमी पार्टी ने किसी भी गठबंधन में होने से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि बिहार में आप अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। खबर है कि दिल्ली चुनाव में करारी हार के बाद अब आप पंजाब पर फोकस कर रही है। साथ ही अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के शीर्ष नेता प्रचार के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं।

आप के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक अनुराग ढांडा ने कहा, 'आप किसी गठबंधन में नहीं है। हमारे पास अपनी ताकत है। हम इसी पर आगे बढ़ रहे हैं।' INDIA गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा, 'वो लोकसभा चुनाव के लिए थी। हम अब किसी ब्लॉक का हिस्सा नहीं हैं।'

फिलहाल, आप कई राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए संगठन मजबूत करने पर काम कर रही है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पार्टी ने राज्यों को दो कैटेगरी में बांटा है। A कैटेगरी में वो राज्य हैं, जहां बड़े टिकट पर मुकाबला है और जहां राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी सक्रिय रहेंगे। इनमें गुजरात, हिमाचल प्रदेश, असम, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली और गोवा शामिल है। वहीं, B कैटेगरी में ऐसे राज्य हैं, जहां प्रदेश नेतृत्व चुनाव की दिशा तय कर सकता है।

आप के बिहार प्रभारी अजेश यादव ने कहा, 'आप अपने दम पर बिहार में चुनाव लड़ेगी। हम बूथ स्तर पर पार्टी संगठन को बनाने पर ध्यान लगा रहे हैं। फिलहाल, अहम राज्य में 7 चरणों की यात्रा निकाल रहे हैं ताकि लोगों से जुड़ा जा सके। हम सीमांचल क्षेत्र के जरिए तीसरे चरण में प्रवेश कर चुके हैं।' उन्होंने साफ कर दिया है कि आप राज्य की सभी 243 सीटों पर अकेले लड़ेगी।

खबर है कि पार्टी ने अगले 2 सालों के लिए अपने कार्यक्रम तय कर लिए हैं। असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए केजरीवाल तेज प्रचार करेंगे। वहीं, पार्टी 2027 में उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गोवा और गुजरात चुनाव में उतरेगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव

दिल्ली में सत्ता संभाल रही आप ने 2025 विधानसभा चुनाव में राज्य की 70 सीटों पर दांव लगाया था, लेकिन खाते में सिर्फ 22 ही आ सकी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीटों पर जीत हासिल की थी। खास बात है कि कांग्रेस लगातार तीसरे साल दिल्ली में खाता नहीं खोल सकी थी।

देश में कोरोना के मामलों की रफ्तार से डर

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

देश में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। 2 जून को सुबह 8.00 बजे तक देश में कोरोना के सक्रिय मामले 3961 हो गए हैं। इस साल संक्रमण की वजह से होने वाली कुल मौतों का आंकड़ा 32 हो गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक, बीते दिन के मुकाबले सक्रिय मरीजों की संख्या में 203 की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि इस दौरान चार लोगों ने दम तोड़ा।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, कल से अब तक सबसे ज्यादा 47 मामले दिल्ली में सामने आए हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 44, केरल में 35, महाराष्ट्र में 21, गुजरात में 18 और कर्नाटक में 15 नए मामले दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां कल से अब तक आठ नए मामले दर्ज किए गए हैं। ऐसे ही राजस्थान में सात, मध्य प्रदेश में चार, बिहार में तीन और छत्तीसगढ़ में एक मामला सामने आया है।

कोरोना से होने वाली मौतों की बात करें तो दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में एक-एक संक्रमितों की मौत दर्ज की गई है। दिल्ली में 22 वर्षीय महिला की मौत हुई है। उसे पहले से ही फेफड़ों से संबंधित बीमारी थी। तमिलनाडु में 25 वर्षीय पुरुष को अस्थमा जैसी शिकायतें थीं। ऐसे ही महाराष्ट्र में 44 वर्षीय पुरुष की जान गई है। उसे कोरोना के साथ अन्य बीमारी थी। केरल से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को भोपाल में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि अब पार्टी में केवल वही टिकेगा जो जमीन पर काम करेगा। कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए राहुल ने घोड़ों का उदाहरण देकर कर्मठता और सक्रियता का महत्व बताया।

राहुल बोले - लंगड़ा घोड़ा घर जाए

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश दौरे पर 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने बैठक कर संगठन को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने नेताओं को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि केवल काम करने वाले ही संगठन में टिक पाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस को मज़बूत करने के लिए वह ऐसे 55 नेताओं की तलाश कर रहे हैं जो पार्टी का भविष्य बनेंगे। उन्होंने कहा, नेताओं के चक्कर लगाना छोड़ो। संगठन के लिए जो काम करेगा, वही आगे बढ़ेगा।

राहुल ने कार्यकर्ताओं को सक्रियता और कर्मठता का महत्व समझाते हुए एक दिलचस्प उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि तीन तरह के घोड़े होते हैं -लंगड़ा घोड़ा, शादी वाला घोड़ा और रेस का घोड़ा। लंगड़ा घोड़ा घर जाए, शादी वाला शादी में जाए और रेस का घोड़ा मैदान में दौड़े। हमें रेस वाले घोड़े चाहिए जो चुनावी मैदान में जीत दिला सकें। राहुल गांधी ने पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा दिए गए विवादित बयानों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे बयान जो भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाते हैं, उन पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार पार्टी अनुशासन के खिलाफ बोलने वालों पर अब कठोर रुख अपनाने की तैयारी में है।

पर्यवेक्षक जिला अध्यक्षों के लिए नाम की अनुशंसा करेंगे

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी ने भोपाल में 4 प्रमुख बैठकें कीं। इसमें राजनीतिक कार्य समिति, विधायक दल, एआईसीसी ऑब्जर्वर्स और पीसीसी एवं जिला अध्यक्षों की बैठक है। उन्होंने कहा कि हर जिले में तीन पीसीसी सदस्यों समेत चार सदस्यीय टीम तैनात रहेगी। 61 एआईसीसी पर्यवेक्षक हर जिले में न्यूनतम 7 दिन रहेंगे और संवाद कार्यक्रम आयोजित कर 6 नामों की अनुशंसा करेंगे। इन्हीं 6 में से नया जिला अध्यक्ष चुना जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष की भी जवाबदेही तय की गई। विधानसभा, लोकसभा व निकाय चुनाव के प्रत्याशी चयन में जिला अध्यक्ष की भागीदारी होगी। इसके बाद दूसरे चरण में हर विधानसभा क्षेत्र में एक पर्यवेक्षक तैनात होगा। वार्ड और पंचायत स्तर पर कमेटियों का गठन किया जाएगा। निष्पक्ष और निडर राय रखने का आव्हान किया है।

तेलंगाना मॉडल पर देश में जातिगत जनगणना कराई जाए

वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के लिए मध्यप्रदेश चुना गया है। एमपी देश का दूसरा राज्य है जहां यह अभियान प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को लेकर अपनी बात रखी है। भाजपा के नेताओं ने जातिगत जनगणना को लेकर राहुल गांधी को क्रिटिसाइज किया था। आज भोपाल की जनता ने राहुल गांधी का स्वागत किया है। कांग्रेस पदाधिकारीयों ने जातिगत जनगणना के लिए राहुल गांधी का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना मॉडल पर देश में जातिगत जनगणना कराई जाए। गरीब की पहचान कर उसके हिसाब से नीति बने।

अब अध्यक्ष भी सीधे राहुल गांधी से बात करेंगे

वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि संगठन सृजन अभियान एक क्रांति के रूप में शुरुआत है। आज अवसरवादियों की राजनीति हो रही है। आज जन आंदोलन, जन शक्ति देकर राहुल गांधी ने शुरुआत की है। यह एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एक किस्सा सुनाया। रेस और शादी वाला घोड़ा। जो बाहर होता है वो लंगड़ा घोड़ा होता है। संगठन में कई लोग ऐसे आ जाते है जो पार्टी में गतिविधियों पर रुकावट करते है। हमें पार्टी को संगठन को मजबूत करने वाले कार्यकर्ता चाहिए। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ बड़े नेता ही राहुल गांधी से नहीं मिल पाएंगे, बल्कि जिला अध्यक्ष से राहुल गांधी सीधे बात करेंगे। कांग्रेस पार्टी हर व्यक्ति की आवाज बनेगी। उन्होंने बताया कि विधायकों ने प्रश्न पूदे, जिसका राहुल गांधी ने जवाब दिया। हमने डेढ़ साल का परफार्मेंस दिखाया। घोटाले और प्रदेश के अंदर की स्थिति बताई है। यह एक नए संगठन की शुरुआत है।

ट्रंप के इशारे पर किया सीज फायर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के सीजफायर पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर सीजफायर किया गया है। राहुल गांधी का ये बयान एक्स पर भी शेयर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर समझौते को लेकर राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को लेकर कहा कि इन पर जरा सा दबाव पड़ता है और ये पीछे हट जाते हैं। उधर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इशारा किया और इन्होंने जी हुजूर... करके सीजफायर कर दिया। राहुल गांधी का ये बयान एक्स पर शेयर किया गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि इतिहास गवाह है, यही BJP-RSS का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। उन्होंने कहा कि 1971 की लड़ाई में इंदिरा गांधी को जो करना था वो उन्होंने किया। कांग्रेस पार्टी सरेंडर नहीं होती है। गांधी जी, जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल सरेंडर करने वाले लोग नहीं थे। ये सुपर पॉवर से लड़ने वाले लोग थे।

देश में विचारधारा की लड़ाई

राहुल गांधी ने कहा कि इन दिनों देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। पहली लड़ाई संविधान की है। इसमें एक तरफ कांग्रेस पार्टी है जो संविधान के साथ खड़ी हुई है। दूसरी लड़ाई सामाजिक न्याय की है। जाति जनगणना को लेकर सरकार का रवैया महिला आरक्षण की तरह ही है। जाति जनगणना को लेकर उन्होंने तेलंगाना का उदाहरण दिया। जाति जनगणना को लेकर जनता ने सर्वे के सवाल तय किए। ऐसा अन्य जगह नहीं हुआ है। देश के विकास के लिए सभी की भागीदारी होनी चाहिए है। जाति जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल ही बेहतर है।

एमपी कांग्रेस के लंगड़े घोड़े होंगे रिटायर

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की कोई कमी नहीं है। एमपी में ही भाजपा को हराने वाले कार्यकर्ता बैठे हुए हैं लेकिन उनके हाथ बंधे हुए हैं। कार्यकर्ताओं की आवाज कांग्रेस के संगठन में ठीक से सुनाई नहीं दे रही है। एमपी की सेना लड़ने के लिए तैयार है लेकिन बीच के लोग गलत बयानबाजी करते हैं। अब कोई ऐसा लोग जो अवसाद में देते हैं। कुछ ऐसे हैं जो भाजपा का काम भी करते हैं। वर्किंग कमेटी ने फैसला लिया है कि शुरुआत जिला कमेटी से होगी। जिला अध्यक्षों की शक्ति के साथ कांग्रेस फिर से एमपी में खड़ी होगी। ऐसे लोग जिनका मूड ठीक नहीं है जो थक गए हैं। रेस के घोड़े और बारात के घोड़े को अलग करना पड़ता है। कांग्रेस कभी बारात के घोड़े को रेस में भेज देती है। इन सब के बीच लंगड़े घोड़े भी हैं। अब सही फैसला होगी। अब लंगड़े घोड़ों को रिटायर करना है। लंगड़े घोड़े बाकी सब को परेशान करता है।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एक, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।